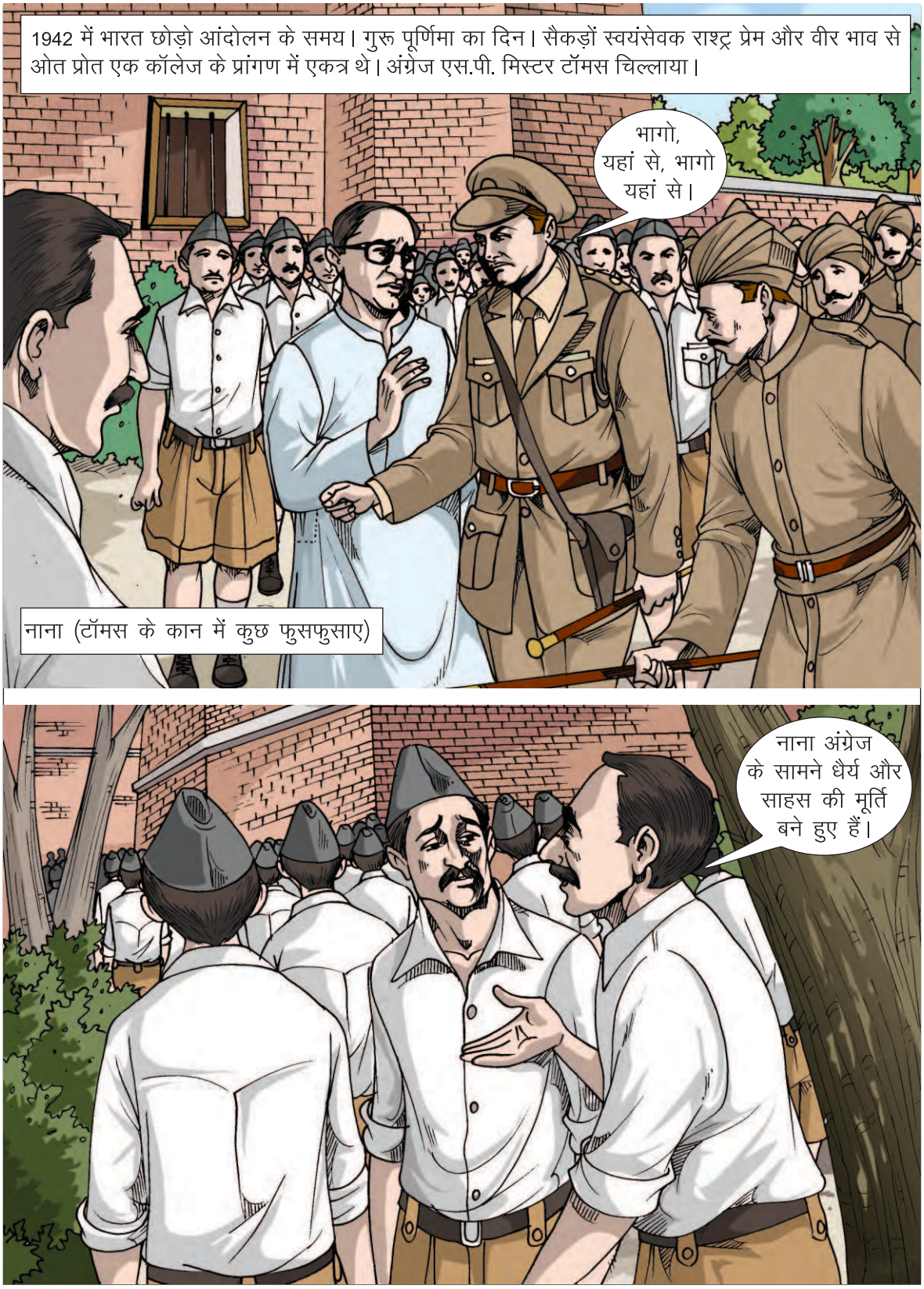
1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के समय। गुरू पूर्णिमा का दिन। सैकड़ों स्वयंसेवक राश्ट्र प्रेम और वीर भाव से ओत प्रोत एक कॉलेज के प्रांगण में एकत्र थे। अंग्रेज एस.पी. मिस्टर टॉमस चिल्लाया।
भागो, यहां से, भागो यहां से।
नाना (टॉमस के कान में कुछ फुसफुसाए)
नाना अंग्रेज के सामने धैर्य और साहस की मूर्ति बने हुए हैं।